2014–15 मौसम में विपणन की जाने वाली खरीफ फसलों की मूल्य नीति रिपोर्ट के लिए कृषि लागत और मूल्य आयोग द्वारा अपेक्षित सूचना के लिए प्रश्नावली।

(यद्यपि खरीफ रिपोर्ट के अंतर्गत मुख्यतयाः निम्नलिखित फसलें शामिल की जायेगी : (i) **अनाज** : धान, ज्वार, बाजरा, मक्का, रागी (ii) दलहन : तूर (अरहर), मूंग, उड़द (iii) तिलहन : मूंगफली, सोयाबीन, सूरजमुखी बीज, तिल, रामतिल; और (iv) कपास; फिर भी आयोग की दिलचस्पी राज्य के संपूर्ण कृषि क्षेत्र से जुड़े सभी तथ्यों, मामलों और सुझावों में है)

राज्य का नाम .....

भाग – 1 सामान्य

1. आपके राज्य में कृषि की दशा का विहंगम अवलोकन प्रस्तुत करें, जिसमें हाल के वर्षों में यदि कोई ढांचागत परिवर्तन हुए हों और सुधारात्मक पहल हों तो वह भी बताएं। कृपया यह भी सूचित करें कि क्या ये परिवर्तन, यदि कोई हों, केन्द्र सरकार/राज्य सरकार के किसी नीतिगत कदम के साथ स्पष्ट रूप से जुड़ सकते हैं ?

2. 2013–14 के दौरान अपके राज्य में विभिन्न खरीफ फसलों के संबंध में कृषि जलवायु तथा अन्य कृषि आर्थिक तत्वों की तुलना में विश्लेषणात्मक टिप्पणी प्रस्तुत करें।

3. कृपया राज्य की खाद्यान्न और अन्य खरीफ फसलों की मांग और आपूर्ति का मूल्यांकन करें तथा आपके राज्य की गेहूं, चावल/धान तथा अन्य मोटे अनाजों एवं दलहनों की प्रति व्यक्ति आवश्यकता एवं उपलब्धता का ब्यौरा दें।

4. कृपया आगामी 2014–15 खरीफ मौसम में न्यूनतम समर्थन मूल्यों को निर्धारित करने के स्तर को दर्शाएं तथा उसके लिए तर्क भी बताएं।

फसल	2014–15 फसल के लिए सुझाए गए न्यूनतम समर्थन मूल्य (रूपये प्रति क्विंटल)	तर्काधार
1. धान		
2. ज्वार		
3. बाजरा		
4. मक्का		
5. रागी		
6. तूर (अरहर)		
7. मूँग		
8. उड़द		
9. मूंगफली (छिलका सहित)		
10. सोयाबीन		
11. सूरजमुखी बीज		
12. तिल		
13. रामतिल		
14. कपास		
(क) रेशा लम्बाई (एम एम) 24.5–25.5 तथा 4.3–5.1 की माइक्रोनेयर कीमत		
(ख) रेशा लम्बाई (एम एम) 29.5–30.5 तथा 3.5–4–3 की माइक्रोनेयर कीमत		

भाग II : मूल्य समर्थन, अधिप्राप्ति और सार्वजनिक वितरण

1. पिछलें पांच वर्षों के दौरान तथा पिछले 24 महीनों के दौरान माहवार न्यूनतम समर्थन मूल्य के साथ–साथ फसल विनिर्दिष्ट मुख्य मंडी वार तथा राज्य औसत मंडी मूल्यों का ब्यौरा ।

2.(क) क्या न्यूनतम समर्थन मूल्य से कम मूल्य पर बेचे गए उत्पाद एफएक्यू मानदण्ड अर्हता विनिर्देशनों को पूरा कर रहे हैं या नहीं तथा मूल्य सहित कुल मात्रा प्रदान करें।

(ख) इस प्रवृत्ति को रोकने के लिए राज्य सरकार ने क्या कदम उठाए हैं?

(ग) इन उपायों की प्रभावशीलता को आपने कैसे मूल्यांकित किया है।

3. (क) वर्तमान मौसम के दौरान मूल्य कटौती या उसके साथ एफएक्यू विनिर्देशन में राज्य की तथा केन्द्र द्वारा प्रदत्त शिथिलता का विवरण दें।

(ख) एफएक्यू विनिर्देशन के बारे में किसानों को जागरूक करने के लिए किए गए उपायो का विवरण दें।

4. वर्तमान मौसम के दौरान आपके राज्य में कितने क्रय केन्द्र खोले गए। एजेंसीवार केन्द्रों को दर्शाएं। इन एजेंसियों का हस्तक्षेप राज्यों की विभिन्न मंडियों में समर्थन मूल्यों को बनाए रखने में कहां तक प्रभावकारी रहा? क्या अधिप्राप्ति प्रचालन में निजी व्यापारियों का शामिल होना अधिप्राप्ति स्तर में सुधार का एक विकल्प है?

5. क्या किसानों द्वारा संकट में बड़े पैमाने पर की गई बिक्री का वर्तमान में कोई मामला सामने आया हैं। यदि हां, तो इसका कारण बताएं तथा इसमें सुधार के लिए उपायों का सुझाव दें। किसानों द्वारा फसल वार ऐसी संकट में बिक्री को रोकने के लिए उठाए गए कदमों को दर्शाए।

6. कृपया 2012–13 तथा 2013–14 विपणन मौसम के दौरान आपके राज्य में गेहूं/धान चावल/मोटे अनाज/दलहन/तिलहन/कपास के बाजार आमद में प्रवृत्तियां और अधिप्राप्त की गई मात्रा (एजेंसीवार) बताएं। इस अवधि के लिए निजी व्यापारियों द्वारा गेहूं/धान की खरीद का अनुमान भी उपलब्ध कराएं।

7. इस अवधि के दौरान विभिन्न एजेंसियों जैसे कि एफसीआई, राज्य सरकार तथा अन्य प्राधिकृत एजेंसियों द्वारा कुल अधिप्राप्ति का ब्यौरा प्रदान करें।

8. जब कृषि उत्पाद आपके राजय में लाया जाता है या राज्य से बाहर ले जाया जाता है तो कर लगाया जाता है? कृपया राज्य में विनियमित मंडियों में क्रेताओं और विक्रेताओं द्वारा कर/उपकर/कमीशन/लेवी का वर्तमान स्तर बताएं। कृपया निम्नलिखित प्रपत्र में उत्पादन की प्रति युनिट दर बताएं।

मद	प्रभावी तारीख	गेहूं	चावल	मोटे अनाज	तिलहन	दलहन
बाजार/मंडी शुल्क						
क्रय कर						
आढ़तियों के लिए कमीशन						
कमीशन एजेंट						
विकास/ग्रामीण						
विकास उपकर						
लेवी						
अन्य प्रभार (नाम द्वारा सूची)						

9. कृपया चावल और धान तथा अन्य अनाजों पर भंडार सीमा, यदि काई हो, का ब्यौरा दें।

10. पिछले तीन वर्षों तथा चालू वर्ष में अब तक नेफेड, सीसीआई तथा राज्य एजेंसियो द्वारा अलग अलग दलहनों/ कपास/ तिलहन (नाम से) की मूल्य समर्थन के अन्तर्गत किए गए क्रय के साथ साथ वाणिज्य क्रय की मात्रा एवं मूल्य।

11. क्या आपके राज्य में पिछले तीन वर्षों के दौरान न्यूनतम समर्थन मूल्य के अन्तर्गत शामिल फसलों का समर्थन/वाणिज्य खरीद के अतिरिक्त किसी भी फसल की बाजार हस्तक्षेप योजना है? यदि हां तो उसका विवरण दें।

12. क्या पिछले तीन वर्षों के दौरान किसी भी फसल के लिए राज्य सरकार ने बोनस की घोषणा की है? यदि हां, तो (i) फसल वार बोनस की दर तथा (ii) बोनस देने के कारण बताएं।

13. (क) कृपया वर्तमान विपणन आधारी संरचना का कमियों सहित संक्षेप मे समीक्षा करें तथा केन्द्रीय /राज्य सरकारों द्वारा सुधार के लिए सुझाव दें।

(ख) एपीएमसी अधिनियम में संशोधन तथा उसके प्रभाव सहित पिछले दो वर्षों में शुरू किए गए कृषि विपणन सुधार क्या हैं?

(ग) एपीएमसी अधिनियम में संशोधन के अन्तर्गत विद्यमान नियम संशोधनाधीन हैं? कृपया इसका ब्यौरा दें।

(घ) विपणन सुधारों तथा नई विपणन पहलों के बारे मे किसानों को जागरूक करने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं?

(ड.) कृपया आपके राज्य में कृषि – निर्यात जोन के बारे में अवगत कराए।

14. राज्य सरकारों द्वारा आयोग के ध्यान मे लाए जाने वाली कोई अन्य सूचना जो तिलहन, दलहन तथा कपास के लिए विनिर्दिष्ट हों।

भाग III : उत्पादकता

1. कृपया निम्नलिखित प्रपत्र में विभिन्न खरीफ फसलों का सिंचाई तथा उसकी अवधि सहित क्षेत्र, उत्पादन और उपज को दर्शाएं

क्र. सं.	फसल	2011–12			2012–13			2013–14 *(अनुमानित/संभावित)			फसल की औसत अवधि (माह में)**	प्रतिशत सिंचित क्षेत्र	अपेक्षित सिंचाई (अनुमानित)	
		क्षेत्र	उत्पा0	उपज	क्षेत्र	उत्पा0	उपज	क्षेत्र	उत्पा0	उपज			सिंचाई की संख्या	पानी की कुल मात्रा (लीटर में)
1.	धान													
2.	ज्वार													
3.	बाजरा													
4.	मक्का													
5.	रागी													
6.	तूर (अरहर)													
7.	मूंग													
8.	उडद													
9.	मूंगफली (छिल्का सहित)													
10.	सोयाबीन													
11.	सूरजमुखी बीज													
12.	तिल													
13	रामतिल													
14.	कॉटन (कपास)													

टिप्पणी : **फसल बोने के माह से फसल काटने के माह तक

* यदि किसी मामले में वास्तविक आंकड़े उपलब्ध नहीं है, वहां अनुमानित/संभावित आंकड़े दर्शाए जाए

2. 2011–12, 2012–13 तथा 2013–14 (अनुमानित/संभावित) के दौरान मुख्य खरीफ फसलों के क्षेत्र, उत्पादन तथा उपज का जिले–वार विवरण दर्शाएं।

3. क्या खरीफ मौसम 2013–14 के दौरान कोई कृषि–जलवायु विषयक विपथन हुआ था, यदि हां, तो;

(क) कृपया फसल की गुणवत्ता पर फसल प्रभावित प्रभाव तथा प्रत्येक फसल को हुई हानि के विस्तृत परिणाम का ब्यौरा दें।

(ख) क्या ऐसी स्थिति से निपटने के लिए कोई आकस्मिक योजना थी तथा क्या यह समय पर प्रचालनाधीन रही?

(ग) यह योजना प्रतिकूल जलवायु विषयक स्थिति के साथ सामना करने में प्रभावित किसानों के लिए मददगार सिद्ध हुई?

4. राज्य में फसल विविधिकरण की स्थिति क्या है?

(क) क्या फसल विविधिकरण अनिवार्यता के लिए भूमि/जल/मृदा संसाधन को बनाए रखने हेतु जिला–उप जिला सीमांकन किया गया।
(ख) यदि राज्य पहले से विविधिकरण साक्षी/प्रोगामिंग रहा है तो राज्यों द्वारा मूल्यों की उपयुक्त प्रौद्योगिकी, विस्तार तथा विपणन समर्थन इत्यादि के निबंधन पर क्या नीति समर्थन प्रदान किया जा रहा है। कृपया पिछले 5 वर्षों के दौरान विविधिकरण पर जोर देते हुए अर्थात उच्च मूल्य फसल क्षेत्र मे बदलाव के संबंध में फसलों का ब्यौरा प्रस्तुत करें।
(ग) कृपया समग्र कृषि विविधिकरण के साथ फसल विविधिकरण के समन्वयन को सूचित करें।

सिंचाई

5. प्रश्न 1 में दिए गए कुल क्षेत्र, उत्पादन तथा उपज में से कृपया 2011–12, 2012–13 तथा 2013–14 (अनुमानित/संभावित) के दौरान संगत उत्पादन एवं उपज के साथ फसलवार सिंचित क्षेत्र को दर्शाएं।

6. विभिन्न खरीफ फसलों के लिए सिंचाई का प्राथमिक स्रोत क्या हैं तथा सिंचाई में लिफ्ट एवं प्रवाह सिंचाई का अनुपातिक हिस्सा क्या है?

7. पिछले पांच वर्षों के दौरान सिंचाई पर कुल कितना खर्च हुआ?

8. कृपया पिछले 3 वर्षों के दौरान कृषि भूमि (सिंचित तथा असिंचित अलग–अलग) का अन्य प्रयोग (आवास, वाणिज्यिक इत्यादि) के लिए विपथन के आंकडे प्रस्तुत करें।

9. निम्नलिखित में सुधार के लिए उठाए गए कदमों पर संक्षेप में टिप्पणी दें;

(क) कृषि में जल के प्रयोग की कार्यक्षमता
(ख) फार्म पर जल प्रबंधन
(ग) जलसंभर विकास

बीज

10. कृपया 2011–12, 2012–13 तथा 2013–14 (अनुमानित/संभावित) के दौरान एचवाईवी /संकर किस्मों क अन्तर्गत फसलवार क्षेत्र, उत्पादन तथा उपज बताएं।

11. आपके राज्य में पिछले तीन वर्षों के दौरान उगाई जाने वाली कौन सी खरीफ फसलों की नई किस्में शुरू की गई हैं विशेषकर दलहन एवं तिलहल की उच्च उपज/नाशक जीव का मुकाबला करने वाली किस्मों का ब्यौरा दें? क्या नई बीज किस्मों के साथ उगने वाली किसमों में दलहनों तथा तिलहनों में उपज वृद्धि के मामले में सकारात्मक परिणाम प्राप्त हुए हैं? कृपया प्रत्येक जिंस की विस्तृत सूचना प्रदान की जाए।

12. कृपया पिछले तीन वर्षों के दौरान आपके राज्य में उगने वाली महत्वपूर्ण खरीफ फसलों की बीज प्रतिस्थापन दरें तथा उपजातीय प्रतिस्थापन अनुपातों को दर्शाएः–

(प्रतिशत)

फसल	बीज प्रतिस्थापन दर			उपजातीय प्रतिस्थापन अनुपात		
	2010–11	2011–12	2012–13	2010–11	2011–12	2012–13

13. कृपया अपने राज्य में विभिन्न खरीफ फसलों के बीजों (प्रमाणित/उन्नत या अन्य) की कुल मांग दर्शाएं तथा मांग की पूर्ति के लिए प्रयोग बीज दर बताएं। उस स्त्रोत का नाम जहां से ऐसी मांग को पूरा किया जा रहा है तथा उनके संगत हिस्से को दर्शाएं।

14. कृपया आपके राज्य में बीज प्रमाणिकरण का वर्तमान स्तर क्या है? क्या प्रमाणित बीजों की उपलब्धता पर्याप्त है? यदि नहीं, तो इस संबंध में क्या प्रबंध किए गए हैं।

15. आपके राज्य में बीज क्षेत्र से संबंधित महत्वपूर्ण मुद्दे क्या हैं?

उर्वरक

16. कृपया पिछले तीन वर्षों के दौरान महत्वपूर्ण खरीफ फसलों के लिए पौष्टिक एन,पी. तथा के. की प्रति हेक्टेयर खपत को दर्शाएं:

(कि.ग्रा./हेक्टे0)

फसल	एन			पी			के		
	2010–11	2011–12	2012–13	2010–11	2011–12	2012–13	2010–11	2011–12	2012–13

17. कृपया 2012–13 खरीफ फसल के दौरान अपने उपभोग प्रतिमान में पौष्टिक तत्वों के मूल्यों में परिवर्तन के प्रभाव को बताएं तथा 2013–14 खरीफ मौसम के दौरान इसके संभावित प्रभाव को दर्शाएं। विशेष रूप से, क्या आपके ध्यान में अनुकूलतम एनपीके संतुलन से बड़े विचलन की रिपोर्ट प्राप्त हुई हैं यदि हां, तो क्या उपचारी कदम उठाए जा रहे हैं।

18. क्या खरीफ 2011–12 तथा 2012–13 मौसम के दौरान उर्वरकों की कुल खरीद राज्य की आशा के अनुरूप थी? खपत में कमी के लिए उत्तरदायी कारकों, यदि कोई हैं, का विवेचन करें।

विस्तार

19. आपके राज्य में कृषि विस्तार सेवा की स्थिति का वर्णन कीजिए। बीजों की नई किस्मों, कृषि उपकरणों, न्यूनतम समर्थन मूल्य सूचना, गुण्वत्ता विर्निदेशन इत्यादि के बारे में किसानों को सूचनाओं के प्रचार–प्रसार का तंत्र क्या है?

(क) राज्य में विस्तार–प्रणाली की सुदृढ़ता और कमजोरी क्या है?

(ख) क्या राज्य में विस्तार प्रणाली के प्रभाव पर कोई अध्ययन आयोजित किया है? यदि हां तो कृपया अध्ययन का विवरण दें।

(ग) विस्तार प्रणाली को सुदृढ़ करने की वर्तमान पहलें क्या है? विशेष रूप से सरकारी निकायों तथा परम्परागत संस्थानों के बीच चल रही अनुपूरकता द्वारा राज्य सरकार द्वारा कृषि विस्तार सेवाओं को बढ़ाने एवं विकास के कदमों का वर्णन करें।

(घ) कृपया विस्तार की पहलों जैसे (i) किसान विकास केन्द्र (ii) एटीएमए (iii) कृषि क्लीनिक (iv) किसान काल सेंटर (v) ई– चौपाल (vi) सार्वजनिक–निजी भागीदारी पर टिप्पणी प्रस्तुत करें।

20. कृपया राज्य में विभिन्न आदानों अर्थात बीज (प्रमाणित/संकर/टी एल), उर्वरक, सिंचाई, जल, कीटनाशी, नाशीजीव मारक तथा ऋृण की मांग तथा उपलब्धता के बीच वर्तमान अंतर को दर्शाने वाला एक विवरणपत्र प्रस्तुत करें।

कपास

21. कृपया कपास के संबंध में चालू मौसम के दौरान नाशक जीव/रोग की स्थिति तथा इसके नुकसान का परिमाण, यदि कोई हो तथा इस समस्या को दूर करने के लिए किए गए उपायों आदि का वर्णन करें।

22. क्षेत्र कवरेज, उपज, उत्पादन प्रतिस्पर्धात्मकता, नाशीजीव घटना को कम करना, नाशीजीव मारक का कम प्रयोग तथा किसानों की प्रतिक्रिया पर आपके राज्य में जी एम किस्मों/ बी.टी. कॉटन के निष्पादन का मूल्यांकन करें।

23. कपास पर प्रौद्योगिकी मिशन के चार मिनी मिशन के अन्तर्गत उन सहित विभिन्न कपास विकास कार्यक्रमों पर अद्यतन स्थिति दर्शाएं।

24. राज्य में कपास की किस्मों को मिलाने तथा कपास बीजों की विविधता को दूर करने या कम करने के लिए किए गए उपायों को बताएं;

उपज के चालक

25. क्या विभिन्न फसलों के अन्तर्गत एरिया कवरेज को घटाने/वृद्धि करने के किसानों के निर्णय पर खरीफ फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य पर कोई प्रभाव पड़ा है। यदि हां, कृपया विवरण दें।

26. कृपया राज्य में उगाई जा रही फसलों की उत्पादकता बढ़ाने के लिए ठोस प्रयास विनिर्दिष्ट करें।

27. उपज के चालक क्या हैं? क्या इन पर कोई अध्ययन किया गया है, तो इसकी एक प्रति संलग्न करें।

28. उत्पादकता के बारे में कोई अन्य संबंधित सूचना जो राज्य सरकार उजागर करना चाहे।

भाग IV : उत्पादन लागत और आदान मूल्य

1. कृपया विस्तृत कार्यप्रणाली सहित पिछले पॉच वर्षों के लिए लागत के विभिन्न घटकों का पूर्ण ब्यौरा देते हुए विभिन्न खरीफ फसलों हेतु तैयार किए गए खेती/उत्पादन लागत पर समय के श्रृंखलाबद्ध आंकड़े उपलब्ध कराए। 2013–14 के लिए लागत/उतपादन अनुमान भी प्रस्तुत किये जाए।

2. (क) कृपया प्रभावी तिथियों सहित कृषि श्रम की प्रचालन–वार सांविधिक न्यूनतम मजदूरी दरों (रू0/मानव दिवस) का ब्यौरा दें :–

प्रचालन/वर्ष	2010–11	2011–12	2012–13	2013–14	2014–15 (संभावित)
जुताई					
बुआई					
प्रतिरोपण					
निराई					
कटाई					
अन्य					
समग्र कृषि मजदूरी दर					

(ख) कृपया राज्य के प्रमुख क्षेत्रों में कृषि श्रम के लिए प्रचालन–वार वास्तविक मजदूरी दरों (रू0/श्रम दिवस) का विवरण दें :–

क्षेत्र का नाम	**2010–11**	**2011–12**	**2012–13**	**2013–14**	**2014–15 (संभावित)**
जुताई					
बुआई					
प्रतिरोपण					
निराई					
कटाई					
अन्य					
राज्य औसत (सभी क्षेत्र)					

(ग). राज्य में न्यूनतम मजदूरी अधिनियम को लागू करने के लिए क्या कदम उठाए जा रहे हैं ?

(घ). क्या यह सही है कि महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम के कार्यान्वयन के परिणामस्वरूप कृषि मौसम के किसी चरण के दौरान फार्म श्रम उपलब्धता में समस्या आती है ? यदि ऐसा है, तो कृपया ब्यौरा दें।

(ड.) कृपया वर्ष 2013–14 तथा संभावित 2014–15 के लिए और विभिन्न फसलों हेतु राज्य के प्रमुख क्षेत्रों में कृषि मजदूरी और महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम के अंतर्गत मजदूरी के बीच समग्र अन्तरों पर सूचना दें।

3. चालू वर्ष के लिये निम्नलिखित ब्यौरा दें : (क) सिंचाई के लिये प्रति इकाई बिजली की आपूर्ति लागत (ख) सिंचाई के लिये प्रयुक्त बिजली की प्रति इकाई प्रभार दर (ग) सिंचाई उद्देश्य के लिये विक्रय की कुल मात्रा (घ) इस कार्य के लिए दी गई बजट सब्सिडी की राशि। (च) किसानों द्वारा इसकी प्रचालनात्मक मांग की शीर्ष अवधि के दौरान बिजली की उपलब्ध आपूर्ति के प्रति दिन घंटों की औसत संख्या बताएं।

4. कृपया अप्रैल, 2004 से लागू हुए कृषि/सिचांई प्रयोजन हेतु बिजली के औसत टैरिफ/प्रभारों (प्रति कि0वा0) का ब्यौरा दें। संशोधन, यदि कोई हों, सूचित करें (प्रभावी तारीख सहित)।

विवरण	पूर्व संशोधत दरें	संशोधित दरें	संशोधन की तारीख

5. आपके राज्य में नहर सिंचाई दरों में नवीनतम संशोधन कब किया गया ? कृपया इसका विवरण निम्न रूप में दें:

विवरण	पूर्व संशोधत दरें	संशोधित दरें	संशोधन की तारीख

6. राज्य में सिंचाई के मुख्य स्रोत क्या है और विभिन्न खरीफ फसलों के लिए कुल सिंचाई में उत्थित और प्रवाही सिंचाई का आनुपातिक हिस्सा क्या है ? (नीचे दी गई सारणी में विवरण भरें)

फसल					
	कुल सिंचाई में हिस्सा				
साधन/ स्रोत	2010–11	2011–12	2012–13	2013–14	2014–15(संभावित)
नहर					
लिफ्ट					
ड्रीप/ फुव्वारा					

(ख) सिंचाई के विभिन्न साधनों/स्रोत के अनुसार दशाएंः सिंचाई पर व्यय का विवरण भी प्रदान करें।

फसल					
	कुल सिंचाई में व्यय का हिस्सा				
साधन/ स्रोत	2010–11	2011–12	2012–13	2013–14	2014–15(संभावित)
नहर					
लिफ्ट					
ड्रीप/ फुव्वारा					

(ग) प्रति हैक्टर आधार तथा फसलवार किसानों पर नहर प्रभार तथा नहर जल की आपूर्ति की लागत के बीच अन्तर बताए

7. (क) कृपया, 2010–11 और 2011–12, 2012–13 तथा 2013–14 (संभावित) के दौरान खरीफ फसलों के लिए बिजली और डीजल तेल की (प्रति हैक्टर) फसल वार 2014–15 के लिए संभावित खपत बताएँ।

(ख) क्या 2011–12 और 2012–13, 2013–14 तथा 2014–15 (संभावित) के दौरान डीजल तेल और विद्युत बिक्री के सब्सिडी कारक कोई हैं। दर्शाएंः

8. फार्म मशीनरी की प्रति दिवस/प्रति घंटा परिचालन लागत क्या है जैसे कि :–

(क) ट्रैक्टर/कटाई मशीन तथा सिंचाई के लिए प्रयुक्त पम्पसेट, और

(ख) अन्य प्रयोजन हेतु उनके प्रचालन के लिए जरूरी महत्वपूर्ण आदानों (डीजल, लुब्रीकैंट्स, मरम्मत/रखरखाव प्रभाव इत्यादि) का सापेक्ष हिस्सा।

9. कृपया, राज्य बीज निगम द्वारा सप्लाई किए गए प्रमाणित/उन्नत बीजों के मूल्यों (रू0 प्रति किलोग्राम) का विवरण दें :–

	2011–12	**2012–13**	**2013–14**	**2014–15 (संभावित)**

1. धान
2. ज्वार
3. बाजरा
4. मक्का
5. रागी
6. तूर
7. मूँग

8. उड़द
9. मूंगफली
10. सोयाबीन
11. सूरजमुखी
12. तिल
13. रामतिल
14. कपास (किस्म वार)

---

10. कृपया पिछले पांच वर्षों तथा 2014–15 (संभावित) के लिए खरीफ फसलों के लिए खपत, कुल आवश्यकता तथा प्रचलित बीजों के (स्थानीय रूप से उगाने वाले, प्रमाणित/ उन्नत तथा अन्य) प्रति हेक्टेयर स्तरों का विवरण दें। इन मूल्यों में प्रमाणित/उन्नत बीजों की तुलना में अन्तर है

बीज	आवश्यकता	उपलब्धता	मूल्य
	2009–10.....2014–15 (संभावित)	2009–10.....2014–15 (संभावित)	2009–10.....2014–15 (संभावित)
स्थानीय रूप से उगाए गए			
प्रमाणित/ उन्नत			

11. कृपया पिछले पांच वर्षों के दौरान कीटनाशकों/ कृमिनाशकों/खरपतवार नाशकों के खुदरा मूल्य (रू/प्रति किलोग्राम) तथा 2014–15 के दौरान उनके संभावित मूल्य बताएँ।

12. कृपया, पिछले पांच वर्षों के दौरान विभिन्न खरीफ फसलों के लिए पशु खाद और जैविक खाद की खपत का प्रति हैक्टेयर स्तर और 2014–15 के दौरान संभावित स्तर सूचित करें। सदृश अवधि के लिए दोनों प्रकार के खादों का मूल्य भी बताएँ।

13. कृपया पिछले पॉच वर्षों के दौरान बैलों (प्रति जोड़ा–दिवस), मशीनरी(प्रति घण्टा) जैसे कि ट्रैक्टर/कटाई यंत्र/ थ्रेशर को किराये पर लेने की दरें बतायें।

14. (क) कृपया चारा, पशुदाना और मानव श्रम जैसे आदानों के सापेक्ष हिस्से के बारें में ब्यौरा दें जो कुल बैल श्रम लागत बनाते हैं। (ब्यौरा नीचे दी गई सारणी में दें)

आदान	कुल बैल श्रम में हिस्सा				
	2010–11	2011–12	2012–13	2013–14	2014–15(संभावित)
चारा					
पशुदाना					
मानव श्रम					

(ख) कृपया आपके राज्य में पिछले पांच वर्षों के दौरान सामान्य रूप से प्रयोग होने वाले चारें, पशुदाना तथा मानव श्रम के मूल्य बताएं तथा 2014–15 के दौरान उनके संभावित स्तर।

आदान	मूल्य				
	2010–11	2011–12	2012–13	2013–14	2014–15(संभावित)
चारा					
पशुदाना					

मानव श्रम					

15. कृपया, पिछले पांच वर्षों के दौरान यूरिया, फास्फेटिक तथा पोटासिक उर्वरक के खुदरा मूल्य बताएं। तथा 2014–15 के लिए संभावित स्तर। पिछले पांच वर्षों तथा 2014–15 संभावित के दौरान उर्वरकों की विभिन्न प्रभारों की सब्सिडी फसल वार प्रति किलोग्राम दर भी बताएं।

16. (क) कृपया, पिछले पांच वर्षों के दौरान विभिन्न खरीफ फसलों (फसल–वार) के लिये एन पी के पोषकों की प्रति हैक्टेयर खपत बताएँ। 2014–15 खरीफ मौसम के दौरान, संभावित प्रभाव भी बतायें।

(ख) कृपया 2013–14 खरीफ मौसम के दौरान पोषकों के मूल्य परिवर्तन का, उनके खपत प्रतिमान पर पड़ने वाला प्रभाव तथा 2014–15 खरीफ मौसम के दौरान, संभावित प्रभाव भी बतायें। विशेष रूप से, क्या सर्वोत्तम एन पी के संतुलन से मुख्य परिवर्तन की कोई रिपोर्ट आपके ध्यान में लाई गई है ? यदि हॉ, तो क्या उपचारी उपाय किए जा रहे है ?

17. क्या 2011–12, 2012–13 तथा 2013–14 खरीफ मौसम के दौरान उर्वरक की कुल खरीद राज्य की आशा के अनुरूप थी ? खपत में कमी, यदि कोई हो, के लिये जिम्मेदार कारण बताएँ।

18. (क) आपके राज्य में कृषि ऋण की आवश्यकताओं का कितना हिस्सा, संस्थागत स्रोतों से पूरा किया जाता है ?

(ख) कृषि ऋण का कुल संवितरण (स्रोत–वार) कितना हुआ है तथा इन ऋणों के लिए ब्याज दर (स्रोतों तथा उद्देश्य के अनुसार) क्या थी ?

(ग) गैर–संस्थागत, संस्थागत स्रोतों से कृषि ऋण (फसल ऋण और अन्य) के लिए ब्याज की प्रचलित दरें क्या थी ?

(घ) कृपया ऋण प्राप्त करने में विशिष्ट समस्याएँ बताएँ और उन्हें दूर करने के लिए सुझाव दें।

(ड.) कृपया किसान क्रेडिट कार्ड की प्रगति बताएँ।

19. कृपया पिछले पॉच वर्षो के दौरान, एजेंसियों से बकाया/पुराने कृषि ऋणों के ब्यौरें दें। ऋण आवश्यकताओं को पूरा करने जैसे कि फसल ऋण स्थगन, ब्याज का हटाने इत्यादि में ऋण वितरण तंत्र को और अधिक प्रभावी बनाने हेतु सुझाव दें।

20. क्या राज्य सरकार, केन्द्र द्वारा प्रायोजित योजनाओं के अंतर्गत् दी गई आर्थिक सहायता के अतिरिक्त, कृषि आदानों पर आर्थिक सहायता प्रदान करती है ? यदि हॉ, कृपया उसका विवरण दें।

21. क्या राज्य में भूमि पर किराए की कोई अधिकतम/न्यूनतम सीमाएं विनिर्दिष्ट है ? क्या ये फसल–विशिष्ट हैं ? कृपया विवरण दें, यदि कोई हों।

22. कृषि भूमि (दोनों पट्टे पर ली हुई और निजी) की भूमि किराया कीमत कैसे लगाई जाती है ? या क्या किराया कृषि प्रयोजन के लिए भूमि की मांग और आपूर्ति का एक प्रकार्य है ?

23. कृपया फार्मों और निकटतम मण्डी/बाजार के बीच मॉडल औसत दूरी बताएं, शामिल औसत दूरी में गांव से बाहर स्थित मण्डियों सहित।

24. क. कृपया किसानों द्वारा अपने उत्पाद विक्रय करने में निकटतम मण्डी/अधिप्राप्ति केन्द्रों तक उठाए गए प्रति क्विंटल/प्रति किलोमीटर, फसल–वार, औसत परिवहन लागत बताएं।

ख. कृपया मण्डी/अधिप्राप्ति केन्द्रों में अपने उत्पाद विक्रय करते समय किसान द्वारा प्रदत्त, विपणन प्रभार प्रति क्विंटल –फसल वार बताएं।

25. क. कृपया आपके राज्य में संचालित की जा रही फसल बीमा योजना पर किसान द्वारा प्रति हैक्टेयर वहन की जा रही बीमा प्रीमियम पर व्यय बताएं।

ख. क्या ऋणी किसानों के लिए फसल बीमा अनिवार्य है ? क्या गैर–ऋणी किसान भी योजना में शामिल है ?

ग. क्या फसल बीमा योजना उन किसानों तक विस्तार की गई है जो स्वामी कृषक नहीं है परन्तु उन्होनें खेती प्रयोजन के लिए भूमि पट्टे पर ली है।

घ. क्या किसान प्राकृतिक आपदाओं/पेस्ट हमलों इत्यादि से होने वाले दोनों फसल और आय के नुकसान के विरूद्व अपनी फसल का बीमा कराने में समस्याओं का सामना करते हैं।

ड. क्या बीमा कवरेज किसान विशिष्ट है, और यदि नहीं, तो प्रचलित बीमा योजना के अंतर्गत उत्पादन नुकसान को शामिल करने में क्या प्रक्रिया अपनाई जा रही है।

च. क्या बीमा योजना किसानों की सभी श्रेणियों या विशिष्ट श्रेणी को कवर करती है, ब्यौरा दें।

छ. राज्य में किसानों के बीच फसल बीमा के फैलाव का स्तर।

ज. फसल बीमा योजना के कार्यान्वयन में मुद्दे यदि कोई हो बताएं।

26. क्या उत्पाद के गुणवत्ता पहलू पर मूल्य निर्धारित करने के लिए कोई प्रणाली/प्रबन्ध है ? यदि ऐसा हैं, तो फसल वार इसके ब्यौरे दें। यदि नहीं हैं, तो इसके कार्यान्वयन के लिए आपके सुझाव क्या हैं ?

27. कृपया खरीफ फसलों के संबंध में जिंसवार तथा 2010–11, 2011–12, 2012–13, 2013–14 तथा 2014–15 (संभावित) के लिए हैंडलिंग प्रभार तथा अन्य प्रभारों सहित फार्म गेट /नजदीकी मंडी से पटसन द्वार तक निर्यात योगदान प्रति क्विंटल परिवर्तन लागत अनुमान बताएं।

28. राज्य सरकार द्वारा ध्यान में लाए जाने वाला कोई अन्य बिन्दु जो खरीफ फसलों की नीति को तैयार करने तथा गैर मूल्य सिफारिशों में सहायक हो सके।

अन्तर्राष्ट्रीय प्रतिस्पर्धात्मकता
वाणिज्य/वी वी ओ एंड एफ निदेशालय

2014–15 मौसम की खरीफ फसलों की मूल्य नीति पर रिपोर्ट के लिए कृषि लागत और मूल्य आयोग द्वारा अपेक्षित सूचना के लिए प्रश्नावली।

1. प्रमुख खरीफ फसलों के संबंध में भारत सरकार की आयात–निर्यात नीति पर विस्तृत रूप से एक टिप्पणी प्रस्तुत करें। इसमें अन्य बातों के साथ–साथ तर्काधार सहित पिछले पांच वर्षों में किए गए प्रमुख परिवर्तनों को भी बताएं।

2. पिछले 10 वर्षों के दौरान इन जिंसों पर लगाई गई प्रशुल्क दरों को दर्शाएं।

3. कृपया पिछले 10 वर्षो के दौरान अमेरिकी डालर टन तथा रूपए/टन में अनाजों (जिसमें चावल और मक्का अलग अलग), दलहन (जिसमें तूर, मूंग तथा उड़द अलग अलग), तिलहन तथा खाद्य तेल (जिसमें मूंगफली, सोयाबीन, सूरजमुखी बीज, तिल, रामतिल तथा उनके तेल अलग अलग) माहवार अन्तर्राष्ट्रीय मूल्य दर्शाएं।

4. कृपया अनाजों (चावल तथा मक्का), तिलहन तथा खाद्य तेल (मूंगफली, सोयाबीन, कुसुम्भ, तिल, रामतिल) मोटे अनाज (ज्वार, बाजरा, मक्का, रागी) तथा दलहन (तूर, मूंग तथा उड़द) के आयात और निर्यात (मात्रा, कुल मूल्य रू. और अमेरिकी डालर में, युनिट मूल्य तथा कोष्टक में विनिर्दिष्ट जिंस) का पिछले दस वर्षो का विवरण प्रस्तुत करें।

5. कृपया पिछले पांच वर्षों (2009–10 से 2013–14) के दौरान सभी खरीफ फसलों की वर्षवार आयात और निर्यात की कुल मात्रा का ब्यौरा दें।

6. तिलहन, खाद्य तेल (मूंगफली, सोयाबीन, सूरजमुखी) तथा दलहनों की भू–लागत बताएं? कृपया निम्नलिखित प्रपत्र में सूचना दें।

क.सं.	मद/ वर्ष	2010–11	2011–12	2012–13	2013–14
1.	स्था. मूल्य (अमेरिकी डालर/टन)				
2.	स्थानीय दर प्रीमियम / छूट				
3	भारत में बीमा सहित भाड़ा				
4.	सीआईएफ मूल्य (यूएस डालर/टन)				
5.	विनिमय दर				
6.	सीआईएफ (रू./टन (4*5)				
7.	पत्तन खर्च (रू./टन)				
8.	कोई अन्य खर्च (कृपया विनिर्दिष्ट करें)				
9.	भू–लागत (रू./टन)				

7. भारत की कृषि आयात और निर्यात अवसरों पर एफटीए/आरटीए के संभावित प्रभाव।

8. कृषि निर्यात, जिसमें निर्यात सब्सिडी, कर छूट, यदि कोई हो, शामिल है, को बढ़ाने के लिए उठाए गए कदम।

9. निर्यात के लिए हैंडलिंग में सुधार, पैकेजिंग स्टोर क्षमता तथा परिवहन सब्सिडी के माध्यम से निर्यात प्रतिस्पर्धात्मकता में सुधार के लिए किए गए गुण्वत्ता नियंत्रण सुधारों को वर्णन करें।

10. निर्यात लिंक में सुधार के लिए कृषि के निमित एसपीएस मानकों के प्रचार प्रसार की कोई प्रणाली प्रभाव में है?

11. जब पंजाब, हरियाणा तथा आन्ध्र प्रदेश की प्रमुख मंडियों तथा मक्का के मामले में राजस्थान तथा कर्नाटक की मंडियों से निर्यात किया जाता है तो चावल के एफओबी मूल्य क्या है? कृपया सूचना निम्नलिखित प्रपत्र में दी जाए।

(रू./टन)

मंडी का नाम	बाजार मूल्य	निर्यात के नजदीकी पत्तन पर बीमा सहित परिवहन	पत्तन व्यय	निर्यात के साथ सम्बद्ध कोई अन्य खर्च (कृपया बताएं)	एफओबी मूल्य
1.	2.	3.	4.	5.	6. (2+3+4+5)

12. खाद्य तेल (मूंगफली, सोयाबीन, सूरजमुखी) का एक्स फेक्टरी मूल्य क्या है? कृपया निम्नलिखित प्रपत्र मे एक क्विंटल खाद्य तेल उत्पादित करने के लिए सूचना भरेः

खाद्य तेल का नाम .....

रू./क्विटल

कर्षण अनुपात	1 क्विंट. खाद्य तेल उत्पादित करने के लिए अपेक्षित तिलहन की मात्रा	तिलहन का मूल्य	1 क्विंट. खाद्य तेल उत्पादित करने के लिए तिलहनों की लागत	तिलहनों पर ड्यूटी/कर यदि कोई हो (कृपया विनिर्दिष्ट करें)	बैंक ऋण तथा अग्रिम सहित परिवर्तन लागत	लाभ मार्जिन	खाद्य तेल का एक्स फैक्टरी मूल्य
1.	2.	3.	4. (2*3)	5.	6.	7.	8.(4+5+6+7)

13. कृपया आपके मंत्रालय की नवीनतम वार्षिक रिपोर्ट की एक प्रति उपलब्ध कराएं।

14. कोई अन्य सूचना जिसे विभाग आयोग को उपर्युक्त जिंसो के निर्यात/ आयात के संबंध मे देना चाहे।

2014–15 मौसम की खरीफ फसलों के लिए मूल्य नीति पर रिपोर्ट के लिए कृषि लागत और मूल्य आयोग द्वारा अपेक्षित सूचना के लिए प्रश्नावली।

खरीफ रिपोर्ट में मुख्य रूप से निम्नलिखित फसलें शामिल होगी : (i) अनाज : धान, ज्वार, बाजरा, मक्का, रागी (ii) दलहन : तूर (अरहर), मूंग, उड़द, (iii) तिलहन : मूंगफली, सोयाबीन, सूरजमुखी बीज, तिल, तिल्लीबीज (iv) कपास। अतः प्रश्नावली के उत्तर में इन प्रत्येक फसलों के संबंध में सूचना शामिल की जाए।

1. 2011–2012, 2012–13 तथा 2013–14 के दौरान खरीफ तिलहन और दलहन के निष्पादन पर एक विवेचनात्मक टिप्पणी तथा 2014–15 मौसम के निर्धारित लक्ष्य।

2. तिलहन, दलहन, तेल पॉम और मक्का (आई एस ओ पी ओ एम) की समेकित योजना और टी एम ओ पी के अधीन राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन के अधीन दलहन एवं अन्य योजनाओं के कार्य की अद्यतन स्थिति, दसवीं योजना और ग्यारहवीं योजना के दौरान उपलब्धियॉ ।

3. 2010–2011 से 2013–14 के दौरान दलहन और तिलहन के लिए विभिन्न विकास कार्यक्रमों (आई एस ओ पी ओ एम/एन एफ एस एम) के अंतर्गत सरकार द्वारा प्रदान की गई आदान सब्सिडी के स्वरूप तथा स्तर तथा 2014–15 के लिए प्रस्ताव और क्षेत्र, उत्पादन व उपज पर उनके प्रभाव।

4. देश में पिछले पांच वर्षों में दलहन और तिलहन (प्रत्येक वर्ग में फसल वार) की मांग (खपत, निर्यात इत्यादि) और आपुर्ति के बीच अनुमानित अंतर क्या है ? मॉग और सप्लाई के बीच अंतर को पूरा करने की कार्यनीति, और 2014–15 के लिए अनुमान।

5. तिलहन और खाद्य तेल के आयात और निर्यात के लिए वर्तमान नीतियां और मार्गदर्शक सिद्धांत क्या है ? इसके अतिरिक्त पिछले पांच वर्षों के दौरान प्रत्येक दलहन, तिलहन और खाद्य तेल के आयात और निर्यात की मात्रा और मूल्य दें। निर्यात के लिए प्रोत्साहनों और आयात पर पड़े शुल्क संरचना में नवीनतम परिवर्तन के प्रभाव पर एक टिप्पणी प्रस्तुत करें।

6. ऑयल पाम खेती कार्यक्रम पर एक स्थिति संबंधी टिप्पणी।

7. संविदा खेती, राज्य फसल और किसानों के हित की रक्षा के लिए अपेक्षित संगठन–वार उपायों पर एक अद्यतन टिप्पणी। बनाए हुए ''मसौदा –संविदा प्रपत्र'' की एक प्रति, यदि कोई हो,

8. खरीफ दलहनों और तिलहनों के संबंध में कृपया निम्नलिखित राज्यवार सूचना प्रदान की जाएः (क) विनिर्दिष्ट अवस्थिति, उपलब्ध उन्नत किस्में (ख) सिंचित क्षेत्र (ग) क्षेत्र विस्तार या संकुचन, तथा कारण; और (घ) निरूपण प्लॉटों पर उन्नत किस्मों से प्राप्त उपज विवरण, सिंचित तथा गैर सिंचित दशाओं द्वारा अलग अलग एवं किसानों को फील्ड पर प्राप्त उपज के साथ इसका तुलनात्मक विश्लेषण। यदि दो के बीच अंतर महत्वपूर्ण है तो कारण विनिर्दिष्ट करें।

9. आई सी ए आर के शोध कार्यक्रम के साथ टी एम ओ पी/ आई एस ओ पी ओ एम/एन एफ एस एम की विकास गतिविधियों को समन्वित करने के लिए मशीन तंत्र। कार्य निष्पादन पर एक विवेचनात्मक टिप्पणी।

11. 2014–15 के लिए खरीफ मूल्य नीति और गैर–मूल्य सिफारिशों के संदर्भ में कोई सुझाव जिसे टी एम ओ पी/आई एस ओ पी ओ एम/ एन एफ एस एम/वी वी ओ एफ निदेशालय इस आयोग के ध्यान में लाना चाहे।

2014–15 मौसम की खरीफ फसलों के लिए मूल्य नीति पर रिपोर्ट के लिए कृषि लागत और मूल्य आयोग द्वारा अपेक्षित सूचना के लिए प्रश्नावली।

(खरीफ रिपोर्ट में मुख्य रूप से निम्नलिखित फसलें शामिल होगी : (i) दलहन : तूर (अरहर), मूंग, उड़द, (ii) तिलहन : मूंगफली, सोयाबीन, सूरजमुखी बीज, तिल, रामतिल और कपास। हालॉकि नीचे प्रस्तुत प्रश्न सामान्य हैं, दलहन, तिलहन और कपास के लिए उत्तर अलग से दिए जाएं)

1. क्या वर्तमान मौसम के दौरान किसी खरीफ तिलहन, दलहन और कपास के प्राथमिक मंडी मूल्य, उनके न्यूनतम समर्थन मूल्य से नीचे गिरे है ? यदि हॉ तो इनके ब्यौरें दे – (क) फसलों के नाम (ख) वे महीने जिनमें मूल्य, न्यूनतम समर्थन मूल्य से नीचे गिरे (ग) उनके कारण और (घ) प्रत्येक प्रभावित राज्य में नेफेड तथा इसकी सम्बद्ध एजेंसियों द्वारा की गई कार्रवाई। न्यूनतम समर्थन मूल्य से नीचे की दर पर उत्पाद बेचने पर किसानों को होने वाले नुकसान का फसल वार विवरण भी दें।

2. (क) कृपया 2013–14 के दौरान दलहनों, तिलहनों तथा कपास पर मूल्य समर्थन प्रचालनों के विस्तार के लिए उठाए गए उपायों को दर्शाएं।

(ख) 2010–2011, 2011–2012, 2012–2013 तथा 2013–14 के दौरान नेफैड तथा इसकी सम्बद्ध एजेंसियों (अलग अलग) द्वारा मूल्य समर्थन के अन्तर्गत खरीदे गए दलहनों, तिलहनों, तथा कपास की राज्यवार मात्रा तथा मूल्य बताएं तथा निपटान पर सदृश आंकड़े बताएं।

(ग) पिछले तीन वर्षों के दौरान समर्थन प्रचालन आयोजित करने के लिए वित्तीय तथा अन्य नियंत्रण पर विस्तृत टिप्पणी दें।

(घ) खरीफ मौसम के दौरान दलहनों तथा तिलहनों की अधिप्राप्ति के लिए निर्धारित उचित औसत गुणवत्ता मापदंड तथा चालू मौसम के दौरान शिथिलता का कारण के साथ विवरण दें।

3. देश में पिछले पांच वर्षों के दौरान दलहन एवं तिलहन (प्रत्येक वर्ग में फसलवार) की मांग (खपत, निर्यात इत्यादि) तथा आपूर्ति (उत्पादन, आयात इत्यादि) के बीच अंतर अनुमानित करें। इस अंतर को पूरा करने के लिए अपनाई गई कार्यनीति तथा 2014–15 के लिए अनुमान।

4.(क) 2010–2011, 2011–2012, 2012–2013 और 2013–14 के दौरान नेफेड और इसकी सम्बद्ध एजेंसियों (अलग अलग) द्वारा मूल्य समर्थन के अंतर्गत खरीदे गए दलहन, तिलहन और कपास की राज्य–वार मात्रा और कीमत तथा निपटान पर सदृश आंकड़े।

(ख) दलहन के घरेलू मूल्य (तूर/अरहर/मूंग तथा उड़द) तथा तिलहन (मूंगफली, सोयाबीन, तथा सूरजमुखी, (प्रमुख उत्पादक तथा उपभोक्ताओं के आधार पर केन्द्रवार)

5. विनियमित बाजारों और बाजार आहातों में नेफेड और इसकी सम्बद्ध एजेंसियों द्वारा की गई खरीद पर प्रदत्त राज्य–वार कर/उपकर/ कमीशन पर आपके विचार तथा उन्हें युक्तिसंगत बनाने के बारे में आपके सुझाव।

6. पिछले पांच वर्षों तथा चालू वर्ष के दौरान चावल (मूल या टूटे प्रतिशत), मक्का दलहन (प्रकार/नाम द्वारा विनिर्दिष्ट); तिलहन तथा खाद्य तेलों (प्रकार/नाम विनिर्दिष्ट) तथा कपास के अन्तर्राष्ट्रीय संदर्भ मूल्य नीचे दिए गए प्रपत्र में दें :

जिंस का नाम ..... (प्रति क्विंटल)

	2009	2010	2011	2012	2013
औसत अन्तर्राष्ट्रीय संदर्भ मूल्य ($ में)					
प्रीमियम (+) /छूट(–) अंतर्राष्ट्रीय मूल्यों पर ($ में)					
निवल अन्तर्राष्ट्रीय संदर्भ मूल्य ($ में)					
विनिमय दर					
भारत में भाडा (रू.)					
बीमा प्रीमियम (रू.)					
सीआई एफ मूल्य (रू.)					
पत्तन खर्च (रू.)					
कूल भू–लागत (रू.)					

(ख) ये भारतीय उत्पाद अन्तर्राष्ट्रीय बाजार में किस तरह प्रतिस्पर्धात्मक है।

(ग) पिछले पांच वर्षो के दौरान तथा चालू वर्ष तथा भविष्य के लिए चावल, मक्का, दलहन (प्रकार/नाम द्वारा); तिलहन तथा चावल, मक्का, दलहन (प्रकार/नाम द्वारा); तिलहन तथा तेल (प्रकार /नाम द्वारा) तथा कपास के वैश्विक बाजार तथा मूल्यों पर एक विस्तृत टिप्पणी दें।

7. थोक एवं खुदरा स्तर पर प्रत्येक तिलहनों तथा दलहनों के बीज/दलहनों खरीद स्तर से समाप्त उत्पाद के वितरण के बिन्दु तथा प्रकिया लागतों का ब्यौरा दे।

8. नेफेड द्वरा अधिप्राप्ति के निपटान की प्रकिया तथा उसकी अर्थव्यस्था क्या है।

9. पिछले तीन वर्षों के दौरान दलहन, तिलहन और खाद्य तेलों के कुल आयात और ऐसे आयात की भू–लागत। इसके अतिरिक्त तीन वर्षों के अलग से नेफेड द्वारा किए गए आयात की मात्रा और कीमत बताएँ।

10. पिछले तीन वर्षों के दौरान दलहन, तिलहन और खाद्य तेलों के निर्यात की कुल मात्रा और कीमत बताएँ और नेफेड द्वारा किए गए निर्यात, यदि कोई हों, अलग से उल्लेख करें।

11. खाद्यान्नों, दलहनों, तिलहनों तथा खाद्य तेलों की चालू प्रशुल्क व्यवस्था जिसमें प्रशुल्क दर कोटा तथा प्रशुल्क मूल्य, संचालित, आयात क्या है? ये नीतियां खाद्य तेलों/तिलहनों के वर्तमान मूल्यों पर क्या प्रभाव डालते हैं।

12. चालू मौसम के दौरान विभिन्न खरीफ दलहनों, तिलहनों और कपास के लिए सरकार द्वारा घोषित न्यूनतम समर्थन मूल्य के स्तर के संबंध में आपके विचार तथा आगामी मौसम के लिए आपके सुझाव। कृपया वह मानदंड भी सूचित करें जिस पर आपके सुझाव आधारित हैं।

13. वर्तमान मूल्यों पर और खेती के अंतर्गत क्षेत्र को लाने के लिए किसानों पर पड़ने वाले तिलहन और दलहन के फ्यूचर्स मूल्यों के प्रभाव पर विवेचनात्मक टिप्पणी। यह मूल्यों की पूर्व सूचना में कितनी मदद करते हैं।

14. नवीतम वार्षिक रिपोर्ट की एक प्रति भेजने की कृपा करें

15. 2014–15 के लिए खरीफ रिपोर्ट के संबंध में कोई अन्य सूचना जिसे नेफेड, कृषि लागत और मूल्य आयोग के ध्यान में लाना चाहेगा।

एफ सी आई

2014–15 मौसम की खरीफ फसलों की मूल्य नीति रिपोर्ट के लिए कृषि लागत और मूल्य आयोग द्वारा अपेक्षित सूचना के लिए प्रश्नावली।

1. विभिन्न राज्यों में अच्छी औसत किस्म प्रतिमानकों की तुलना में चालू विपणन मौसम के दौरान बाजार में खरीफ खाद्यान्नों की आमदों की गुणवत्ता रूपरेखा दें। क्या किसी राज्य द्वारा अच्छी औसत किस्म विनिर्देशन की छूट मांगी गई या किसी राज्य को दी गई ? कृपया राज्य वार ब्यौरा दें।

2. पिछले तीन खरीफ मौसमों के दौरान भारतीय खाद्य निगम, राज्य और अन्य एजेंसियों द्वारा प्रत्येक राज्य में खोले गए अधिप्राप्ति केन्द्रों की संख्या। कृपया अलग से मोटे अनाजों की खरीद के लिए नामोदिष्ट केन्द्रों और उनके द्वारा खरीदी गई मात्रा दर्शाएं। क्या अधिप्राप्ति केन्द्र समुचित पर्याप्त हैं। ब्यौरा दें।

3. अधिप्राप्ति और कुल खरीद के बाद जिंसों के विनिर्देशन ग्रेड बनाए रखने के लिए कोई प्रणाली विद्यमान है?

4. निम्नलिखित उप–शीर्षों के अंतर्गत 2011–12, 2012–13, 2013–14 के दौरान और 2014–15 के लिए अनुमानित चावल और गेहूं की लागत का अलग से (प्रति क्विंटल) मद–वार विस्तृत ब्यौरा दें:–

(क) अनाज की इक्कठी लागत,

(ख) आकस्मिक अधिप्राप्ति

(ग) पश्च अधिप्राप्ति लागतें,

(घ) आर्थिक लागतें (राज्यवार); और

(ड.) बफर स्टॉक को ले जाने की लागतें।

5. पूरे देश में ढकी हुई तथा सीएपी सहित भंडारण स्थिति (एफसीआई तथा कुल) पर पुनर्वलोकन करें। इसमें कोई कमी और क्षेत्रवार भंडारण क्षमता को बढ़ाने के लिए उठाए – गए/ प्रस्तावित कदमों तथा पीईजी तथा ग्रामीण गोदाम योजना पर विवरण दें।

6. चावल के मिलरों द्वारा मिल्ड चावल तथा अन्य फसलों के प्रतिशत के रूप में लेवी दरों पर राज्य वार ब्यौरा

7. पिछले तीन वर्षों के दौरान भंडारण सुविधा की कमी के कारण गेहूं/धान की टूटे/नष्ट हुई मात्रा का ब्यौरा राज्यवार प्रस्तुत करें। भविष्य में ऐसे नुकसान को रोकने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं।

8. ऋण की पहुंच, भाड़ा उपलब्धता तथा अधिप्राप्ति में प्रशुल्क तथा खाद्यान्नों के वितरण में सामना की जा रही समस्याएं बताएं।

9. पिछले तीन वर्षों के अनाजों की अधिप्राप्ति के लिए विभिन्न राज्यों में भारतीय खाद्य निगम द्वारा भुगतान किए गए राज्य–वार बाजार/मण्डी शुल्क, क्रय कर, आढ़तियों का कमीशन, उपकर इत्यादि बताएं। (i) प्रति क्विंटल दरें और (ii) प्रत्येक राज्य के लिए कुल बताएं।

10. मुक्त बाजार बिक्री योजना तथा सीआईपी के अंतर्गत जारी की गई/जारी करने के लिए प्रस्तावित गेहूँ और चावल की राज्य–वार और माह–वार मात्रा बताएं तथा 2010–11, 2011–12 2012–13 और 2013–14 के दौरान केन्द्रीय जारी मूल्य योजना जिन पर आबंटित की गई।

11. कृपया 2011–12, 2012–13 , 2013–14 के लिए भारतीय खाद्य निगम के स्टॉक से निर्यात हेतु जारी किए गए चावल, गेहूँ, मोटे अनाजों की मात्रा तथा 2014–15 के लिए संभावनाएँ व सदृश इकाई मूल्य वसूली।

12. विपणन वर्ष 2012–13 तथा 2013–14 के दौरान चावल और मोटे अनाजों (जिन्स–वार) की राज्य–वार अधिप्राप्ति।

13. पिछले तीन वर्षो।के दौरान टीडीपीएस (बीपीएल, एपीएल) के अन्तर्गत राज्यवार चावल तथा गेहूं की कुल खरीद तथा आवंटन; विभिन्न कल्याण/सहायता योजना (उदाहरणार्थ कार्य योजना के लिए अन्नपूर्णा, अन्तोदय योजना, खाद्य) के अंतर्गत आवंटन तथा कुल खरीद के बीच बड़े अंतर का राज्य विनिर्दिष्ट कारण स्पष्ट करें

14. कृपया पिछले दो वर्षों के दौरान लक्षित सार्वजनिक वितरण प्रणाली (टी पी डी एस) के अंतर्गत गेहूँ और चावल का राज्य–वार आवंटन और कुल खरीद अलग अलग निम्नलिखित के लिए बताएं (i) गरीबी रेखा से नीचे की जनसंख्या (ii) गरीबी रेखा से उपर की जनसंख्या और (iii) एएवाई, ओ एम एस एस (डी) तथा ओ एम एस एस (ई) सहित अन्य कल्याणकारी योजनाएं (प्रत्येक योजना के लिए अलग से) तथा सदृश केन्द्रीय जारी मूल्य। कृपया मदवार विवरण दें

15. एफसीआई के संबंध में पिछली सीएजी लेखा परीक्षा कब हुई? कृपया एफसीआई/सरकार के उत्तरों सहित लेखा परीक्षा अवलाकनों की एक प्रति संलग्न करें।

16. भंडारण सुविधा पर उपलब्धता तथा गैर उपलब्धता के साथ–साथ खुली अधिप्राप्ति पर संक्षिप्त विवरण दें।

17. कृपया अपनी नवीनतम वार्षिक रिपोर्ट की एक प्रति उपलब्ध कराएँ।

18. कोई अन्य सूचना जिसे भारतीय खाद्य निगम आयोग के ध्यान में लाना चाहेगा।

पी0 डी0 एस0

2014–15 मौसम की खरीफ फसलों की मूल्य नीति रिपोर्ट के लिए कृषि लागत और मूल्य आयोग द्वारा अपेक्षित सूचना के लिए प्रश्नावली।

1. पिछले एक वर्ष से लिए गए और निकट भविष्य में लिए जाने वाले संभावित नीति निर्णयों का एक सुविवेचित लेखा दें जो देश में खाद्यान्नों के प्रबंध पर दृष्टिकोण रखता हो। पिछले एक वर्ष के दौरान जारी की गई मूल्य निर्धारण, अधिप्राप्ति, सार्वजनिक वितरण, मुक्त बिक्री, एफ सी आई स्टाक्स का निर्यात बिक्री इत्यादि से संबंधित अधिसूचना की प्रतियां भी उपलब्ध कराएं।

2. चालू खरीफ मौसम के दौरान धान/चावल/खरीफ मोटे अनाजों की अधिप्राप्ति के लिए निर्धारित अच्छी औसत किस्म (एफ ए क्यू) के मानदंड।एफ ए क्यू में यदि कोई ढील दिए जाने के उदाहरण हो तो कृपया बताएं।

3. 2011–12, 2012–13 तथा 2013–14 के दौरान चावल और गेहूँ एवं उनके घटकों की अनुमानित आर्थिक लागतें और 2013–14 के लिए अनुमान।

4. देश में भण्डारण स्थिति का विहंगम अवलोकन। सरकार द्वारा घोषित हाल ही की भंडारण नीति तथा समस्याएं, यदि कोई हो, जो कार्यान्वयन में सामना की जा रही है।

5. पिछले तीन वर्षों के लिए लक्षित सार्वजनिक वितरण प्रणाली (बी पी एल, ए पी एल), विभिन्न कल्याणकारी/राहत योजनाओं (अर्थात अन्नपूर्णा, अन्तोद्य योजना, काम के बदले भोजन कार्यक्रम) के अंतर्गत चावल और गेहूँ राज्य–वार आवंटन एवं कुल खरीद। विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत आवंटन और कुल खरीद के बीच बड़े अन्तरों के लिए राज्य–विशिष्ट कारण भी स्पष्ट करें।

6. मुक्त बाजार बिक्री योजना के अंतर्गत निर्मुक्त गेहूं और चावल की राज्य–वार, माह–वार मात्रा और वह केन्द्रीय जारी मूल्य (सी आई पी) जिस पर पिछले तीन वर्षों के दौरान निर्मुक्त किए गए।

7. 2011–12, 2012–13 तथा 2013–14 के दौरान केन्द्रीय पूल से निर्यात हेतु निर्मुक्त चावल, गेहूँ, मोटे अनाजों की मात्रा और उनके सदृश सी आई पी के साथ 2014–2015 हेतु संभावनाएं।

8. 2011–12, 2012–13 तथा 2013–14 के मौसम के लिए निर्धारित चावल (कच्चा तथा सेला चावल) के राज्य वार ब्यौरे जिसके साथ अनुमत लागत के मदवार ब्यौरे भी हों।

9. 2011–12, 2012–13 तथा 2013–14 के मौसम के दौरान अनुमत कस्टम मिल्ड चावल की लागत का राज्य–वार ब्यौरा।

10. पिछले तीन वर्षों के दौरान विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत चावल और गेहूँ के वितरण में सम्मिलित कुल एवं प्रति क्विंटल सब्सिडी तथा उत्तरी पूर्वी राज्यों के लिए अलग से भी।

11. देश में दलहन और खाद्य तेलों की अनुमानित वार्षिक मांग क्या है ? मांग एवं आपूर्ति के बीच अन्तर को पूरा करने के लिए कार्यनीति।

12. पिछले पांच वर्षों (2009–10 से 2013–14) के लिए आरंभिक स्टॉक तथा अनाज, दलहन, खाद्य तेल/तिलहन का उपयोग क्या है।

13. खाद्यान्नों, दलहनों, तिलहनों और खाद्य तेलों के आयात को नियंत्रित करने के लिए, टैरिफ दर कोटा एवं टैरिफ कीमतों सहित, वर्तमान टैरिफ विधान।

14. कृपया अपने विभाग की वार्षिक रिपोर्ट की प्रति उपलब्ध कराएं।

15. मूल्य नीति को ध्यान में रखते हुए कोई अन्य विशिष्ट सूचना जिसे विभाग आयोग के ध्यान में लाना चाहेगा।

2014–15 मौसम की खरीफ फसलों के लिए मूल्य नीति पर रिपोर्ट के लिए कृषि लागत और मूल्य आयोग द्वारा अपेक्षित सूचना के लिए प्रश्नावली।

(खरीफ रिपोर्ट में मुख्य रूप से निम्नलिखित फसलें शामिल होगी : (i) अनाज : धान, ज्वार, बाजरा, मक्का, रागी (ii) दलहन : तूर (अरहर), मूंग, उड़द, (iii) तिलहन : मूंगफली, सोयाबीन, सूरजमुखी बीज, तिल, रामतिल (iv) कपास। अतः प्रश्नावली के उत्तर में इन प्रत्येक फसलों के संबंध में सूचना शामिल की जाए।

1. उपर्युक्त सूचीबद्ध प्रत्येक फसलों में उपज और लाभ बढ़ाने की प्रौद्योगिकी के संबंध में एक अद्यतन ब्यौरा। केन्द्रीय/राज्य सरकारों के माध्यम से इन प्रौद्योगिकियों को किसानों के बीच लोकप्रिय बनाने के लिए उठाए जा रहे कदम। विभिन्न राज्यों में शुरू की गई गतिविधियों का ब्यौरा। कृपया फसलवार विवरण दें।

2. चालू खरीफ मौसम तक वर्षा युक्त खेती प्रौद्योगिकी में कोई भेदन ?

3. उपलब्ध प्रौद्योगिकी और किसानों द्वारा वास्तविक रूप से अपनाई गई प्रौद्योगिकी के बीच क्षेत्र/राज्य तथा फसल विशिष्ट अन्तर तथा इन अन्तरों को कम करने या उन्हें समाप्त करने के लिए किए जा रहे प्रयास बताएं। कृपया संभावित उपज और सम्मुख प्रदर्शन उपजों के फसल–वार ऑकड़े उपलब्ध कराएं। क्या विभिन्न खरीफ फसलों के प्रजनक बीजों को उपलब्ध कराने में कोई बाधाएं रही है ?

4. विभिन्न फसलों के ट्रांसजेनिक बीजों के विकास की स्थिति। ऐसी फसलों की खेती में सुरक्षा मार्गदशक सिद्धान्तों को लागू करने की व्यवहार्यता पर अपने विचार बताएँ।

5. क्या टी एम ओ पी/आई एस ओ पी ओ एम /एन एफ एस एम और कपास पर प्रौद्योगिकी मिशन के उद्देश्य के साथ अनुसंधान/विकास प्रयासों को समन्वित करने के लिए कोई प्रभावी तंत्र हैं ?

6. प्रौद्योगिकी विकास की दिशा में उपाय और विकीर्ण के लिए:

(क) फसल विविधीकरण सहित कृषि विविधीकरण।

(ख) अन्य मूल्य सवंर्द्धित फसलें

(ग) अन्तर–फसल

(घ) फार्म मशीनीकरण

7. (क) बाजार प्रेरक अनुसंधान (ख) स्वास्थ्य और पादप स्वास्थ्य (एस पी एस) के अनुसंधान तथा विकास मुद्दों पर ध्यान देने के लिए किए गए उपायों और की गई प्रगति का ब्यौरा दें।

8. (क) क्षेत्र स्तरीय विस्तार सेवाओं के कार्यक्रमों, फार्म/प्लाट्स में प्रदर्शन, संगोष्ठियों एवं प्रदर्शनियों, उपर्युक्त सूचीबद्ध प्रत्येक फसल की उपज और आय बढ़ाने के लिए प्रौद्योगिकी को लोकप्रिय बनाने और अपनाने के लिए प्रिंट और इलैक्ट्रानिक मीडिया के माध्यम से प्रचार के ब्यौरें दें। पिछले तीन वर्षों के दौरान महसूस किए गए गतिरोध, यदि कोई हो, की प्रगति पर एक टिप्पणी ?

(ख) विस्तार सेवाएं मजबूत करने के लिए कृषि विज्ञान केन्द्रों की प्रगति पुनर्जीवन हेतु किन उपायों पर विचार किया गया है।

ए0 पी0 ई0 डी0 ए0

2014–15 मौसम की खरीफ फसलों की मूल्य नीति रिपोर्ट के लिए कृषि लागत और मूल्य आयोग द्वारा अपेक्षित सूचना के लिए प्रश्नावली।

(खरीफ रिपोर्ट में मुख्य रूप से निम्नलिखित फसलें शामिल होगीं : (i) अनाज : धान, ज्वार, बाजरा, मक्का, रागी (ii) दलहन : तूर (अरहर), मूंग, उड़द, (iii) तिलहन : मूंगफली, सोयाबीन, सूरजमुखी बीज, तिल, तिल्लीबीज (iv) कपास अतः प्रश्नावली के उत्तर में इन प्रत्येक फसलों के संबंध में सूचना शामिल की जाए।

1. देश से खाद्यान्नों तथा अन्य कृषि जिंसों के निर्यात के संबंध में वर्तमान नीतियां और मार्गदर्शक सिद्धान्त।

2. कृषि जिंसो के निर्यात बढ़ाने के लिए ए पी ई डी ए की गतिविधियों का अद्यतन ब्यौरा।

3. पिछले 5 वर्षों तथा चालू वर्ष के दौरान चावल (मूल या टूटे प्रतिशत), मक्का, दलहनों (प्रकार/नाम द्वारा विनिर्दिष्ट), तिलहन तथा खाद्य तेलों (प्रकार/नाम विनिर्दिष्ट) तथा कपास के अंतर्राष्ट्रीय संदर्भ मूल्य नीचे दिए गए प्रपत्र में दें।

जिंस का नाम.....

(प्रति क्विंटल)

	2009	2010	2011	2012	2013
औसत अंतर्राष्ट्रीय संदर्भ मूल्य ($ में)					
अंतर्राष्ट्रीय मूल्यों में कोई प्रीमियम (+)/छूट(–)($ में)					
निवल अंतर्राष्ट्रीय मूल्य ($ में)					
विनिमय दर					
भारत में भाड़ा (रू.)					
बीमा प्रीमियम (रू.)					
सीआईएफ (रू.)					
पत्तन खर्च (रू.)					
कुल भू लागत (रू.)					

4. मूल्य प्रतिस्पर्द्धात्मकता से भिन्न, भारतीय कृषि आधारित जिंसो का निर्यात बढ़ाने में प्रमुख बाधाएँ क्या हैं ? कृपया पश्च–डब्ल्यूटीओ दायित्वों पर फोकस तथा उन्हें पूरा करने में कठिनाईयां ?

5. मूंगफली और तिल के निर्यात को बढ़ावा देने के लिए किए गए उपायों, गुणवत्ता नियंत्रण और एस पी एस जरूरतों को पूरा करने की प्रगति।

6. निर्यात में वृद्धि के लिए निर्यातकों की सहायतार्थ प्रदान किए गए प्रमाणिकरण प्रक्रिया, परिवहन सब्सिडी का विवरण

7. कृपया जैविक कृषि जिंसो के निर्यात उन्नयन पर तर्क दें तथा ऐसे निर्यात के प्रमाणिकरण के एल एपीईडीए द्वारा संचालित की गई प्रक्रिया का विवरण दें।

8. कृपया अपनी नवीनतम वार्षिक रिपोर्ट की प्रति उपलब्ध कराएं।

9. कोई अन्य सूचना जिसे ए पी इ डी ए आयोग के ध्यान में लाना चाहेगा।

****